



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्

**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने "डिजाइन, ट्रेंड, पूर्वानुमान और निर्यात अनुपालन" पर जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में 28 दिसंबर, 2024 (शनिवार) को एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया

इस कार्यक्रम के दौरान डिजाइन और अनुपालन पर जोर दिया गया

नई दिल्ली, 28 दिसंबर, 2024- हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् ने "डिजाइन, पूर्वानुमान और निर्यात अनुपालन" पर जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में 28 दिसंबर, 2024 (शनिवार) को एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि इस मौके पर ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री नीरज खन्ना; ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष श्री राज कुमार मल्होत्रा; ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष श्री रवि के पासी; ईपीसीएच के सीओ सदस्य श्री अरशद मीर; सुश्री अमला श्रीवास्तव, ईपीसीएच की डिजाइनर, कश्मीर क्षेत्र के प्रमुख निर्यातक और प्रेस एवं मीडिया के लोग उपस्थित रहे।

श्री अरशद मीर, सदस्य सीओ-ईपीसीएच ने सीओ सदस्यों और जम्मू-कश्मीर के प्रमुख निर्यातकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज का सत्र निर्यातकों को आगामी सत्र के लिए हस्तशिल्प में नवीनतम डिजाइन, रुझान और पूर्वानुमान के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ईपीसीएच कारीगरों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर, कारीगरों के बच्चों के लिए शिक्षा, एम्बुलेंस दान और विभिन्न अन्य पहलों का आयोजन करके सीएसआर पहलों की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

श्री मीर ने आगे बताया कि भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून के सहयोग से ईपीसीएच ने देहरादून में उन्नत पशमीना प्रमाणन प्रयोगशाला के माध्यम से पशमीना उत्पादों के लिए अपनी परीक्षण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्थापित किए गए उन्नत उपकरण पशमीना शॉल की परीक्षण प्रक्रिया को मजबूत करेंगे, जिससे निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के कड़े मानकों को पूरा करना सुनिश्चित होगा।

ईपीसीएच अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया ईपीसीएच हमेशा अखिल भारतीय स्तर पर एक्सपर्ट फैकल्टी के माध्यम से जागरूकता सेमिनारों की सीरीज आयोजित करने में सबसे आगे रहा है। बहुप्रतीक्षित विश्व का सबसे बड़ा हस्तशिल्प मंच "आईएचजीएफ अप्रैल मेला 2025", जो इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट लिमिटेड में 16 से 19 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जाएगा, वो निर्यातकों को उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जुड़ने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा।

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री नीरज खन्ना ने वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कौशल बढ़ाने, क्षमता बढ़ाने और बाजार अनुकूलन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक कला को समकालीन ट्रेंड के साथ मिलाया जा सके इसके लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रमों और डिजाइनरों के साथ सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स की भूमिका पर जोर देते हुए, उन्होंने सदस्यों को विश्व स्तर पर अपनी पहुंच और दृश्यता (विजिबिलिटी) को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष श्री राज कुमार मल्होत्रा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मानक और अनुपालन, हस्तशिल्प निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात अवसरों को विस्तार देने की क्षमता तक पहुंचने के प्रमुख निर्धारकों के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय हस्तशिल्प का करीब 70% निर्यात उन बाजारों में होता है जो अनुपालन के प्रति जागरूक हैं, और वैश्विक ब्रांड्स एवं खरीदार ऐसे भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को ऑर्डर देना पसंद करते हैं जो बेहतर कार्य स्थितियों, कार्यस्थल मानकों, और पर्यावरण की दृष्टि से दीर्घकालिक उत्पादन का पालन कर रहे हैं।

ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष श्री रवि के. पासी ने हस्तशिल्प निर्यात के क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव को साझा करते हुए उपस्थित गणमान्य लोगों को संबोधित किया। श्री पासी ने कश्मीर के युवा उद्यमियों को आगे आकर अपना निर्यात बढ़ाने के लिए ईपीसीएच की जानकारी का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि प्रकृति से प्रेरणा लेकर और जैविक तथा प्रकृति से प्रेरित डिजाइनों को उत्पाद श्रृंखलाओं में शामिल करके हम अपने उत्पादों को और भी बेहतर बना रहे हैं। डिजाइन प्रकृति से जुड़ाव पैदा करते हैं और तेज-तर्रार आधुनिक जीवनशैली से राहत प्रदान करते हैं। उन्होंने ईपीसीएच की यात्रा और पिछले 35 वर्षों में ईपीसीएच द्वारा की गई नई पहलों के बारे में भी बताया।

सुश्री अमला श्रीवास्तव, सहायक निदेशक डिजाइन, ईपीसीएच ने आगामी स्प्रिंग/समर 2026 पर एक प्रेजेंटेशन दिया और यह बताया कि मिनिमलिज्म (यानी केवल आवश्यक और महत्वपूर्ण चीजों के साथ जीवन यापन करना) और सादगी समकालीन डिजाइन की पहचान बन गई है। उन्होंने बताया कि वनस्पति ट्रेन्ड्स को प्राथमिकता देते हुए साफ-सुथरी रेखाओं, चमकीले रंगों की पैलेट्स के इस्तेमाल से एक ऐसी सुरुचिपूर्ण सुंदरता बनाई जा सकती है, जो उन ग्राहकों को आकर्षित करते हैं जो आसपास शांति का एहसास महसूस करना चाहते हैं। उन्होंने पारंपरिक शिल्प को सामयिक शैली, पैटर्न और सिल्लूट (सिलूएट) में बनाने के बारे में भी जानकारी दी।

इस दौरान प्रतिभागियों ने डिजाइन, उत्पाद विकास और निर्यात अनुपालन से जुड़े कई सवाल पूछे। वक्ताओं ने सभी सवालों के जवाब दिए और निर्यातकों को उनकी समस्याओं का समाधान दिया गया और सदस्य निर्यातकों के साथ सकारात्मक बातचीत के साथ ही इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी और एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल एजेंसी है। वर्ष 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हुआ, इसमें पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 9.13% जबकि डॉलर के संदर्भ में 6.11% की वृद्धि दर्ज की गई। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान जम्मू और कश्मीर से 15.64 करोड़ का निर्यात हुआ।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक- ईपीसीएच

+91- 9810697868

श्री अरशद मीर, सदस्य सीओए- ईपीसीएच

+91- 9811118824



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION COUNCIL
FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH organised an Interactive Session on “Design, Trends, Forecast and Export Compliances” at Srinagar, Jammu & Kashmir on 28th December, 2024 (Saturday)

Focus on design and Compliances were stressed during the program

Srinagar-J&K, 28th December, 2024 - The Export Promotion Council for Handicrafts organised an Interactive Session on “Design, Trends, Forecast and Export Compliances” at Srinagar, Jammu & Kashmir on 28th December, 2024 (Saturday)

Shri Neeraj Khanna, Vice Chairman – EPCH; Shri Raj Kumar Malhotra, Former Chairman – EPCH; Shri Ravi K Passi, Former Chairman-EPCH and Shri Arshad Mir, Member COA-EPCH; Ms. Amla Shrivastava, Assistant Director Design-EPCH, leading exporters and press and media from Kashmir region were present during the interactive session informed by Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH.

Shri Arshad Mir, Member COA-EPCH welcomed the CoA members and leading exporters from Jammu & Kashmir. He informed that today’s session is organised to facilitate the exporters to get in-depth knowledge on latest Design, Trends & Forecast in Handicrafts for the upcoming season. He further added that EPCH is continuously working towards CSR initiatives by organising health check-up camps for artisans, education for the children of artisans, donation of ambulances and various other initiatives.

Mr. Mir further shared that EPCH in association with Wildlife Institute of India (WII), Dehradun has taken a significant step forward in advancing its testing capabilities for pashmina products through Advanced Centre for Pashmina Certification Lab at Dehradun. The advanced equipment’s installed will strengthen testing process of Pashmina Shawls, ensuring exporters meet the stringent standards of international markets.

Shri Dileep Baid, Chairman-EPCH informed that the EPCH has always been at the forefront of organizing series of awareness seminars through expert faculties on a pan-India basis. He further shared that the much-anticipated world largest Handicraft platform 'IHGF April Fair 2025' to be held from 16th – 19th April, 2025 at India Expo Centre and Mart Ltd will offer a global platform exporters to showcase their products and engage with international buyers.

Shri Neeraj Khanna, Vice Chairman – EPCH emphasized on importance of skill enhancement, capacity building and market adaptability to stay competitive in global markets. He highlighted the need for continuous training programs and collaboration with designers to blend traditional artistry with contemporary trends. Stressing the role of digital marketing and e-commerce, he encouraged members to expand their reach and visibility globally.

Shri Raj Kumar Malhotra, Former Chairman-EPCH shared that Standards and compliance in international markets are emerging as key determinants of handicraft export competitiveness and access to expansive export opportunities. Approximately 70% of Indian handicraft exports are to compliance-conscious markets, and global brands & buyers prefer to place orders with Indian suppliers who follow better working conditions, workplace standards, and environmentally sustainable production.

Shri Ravi K. Passi, Former Chairman-EPCH addressed the august gathering by sharing his vast experience in the field of exports of handicrafts. Shri Passi encouraged the young entrepreneur from Kashmir to come forward and avail knowhow of EPCH to increase their exports.

Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH informed that on inspiration drawn from nature and incorporating organic and nature-inspired designs into product ranges. Designs evoke a connection with nature and provide a refreshing respite from the fast-paced modern lifestyle. He also shared the journey of EPCH and new initiatives taken by EPCH over the past 35 years.

Ms. Amla Srivastava, Assistant Director Design-EPCH shared presentation on upcoming season of Spring/Summer 2026 shared minimalism and simplicity have become a hallmark of contemporary design. Keeping botanical trends in the driving seat to clean lines, bright color palettes, create an understated elegance that appeals to customers seeking a sense of tranquillity in their spaces. She enlightened about transforming traditional crafts to contemporizing its style, pattern & silhouettes.

Various questions pertaining Design, Product Development and Export Compliances were asked by the participants. The speakers addressed all the questions and provided solutions to the exporters and concluded with positive interaction with members exporters.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US \$ 3,956 Million) registering a growth of 9.13% in rupee term & 6.11% in dollar terms over the previous year. The exports from Jammu & Kashmir during the year 2023-24 was 15.64 crores informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH

+91- 9810697868

Shri Arshad Mir, Member COA – EPCH

+91- 9811118824

Encl: Hindi, English with photos



Photo 1: Shri Neeraj Khanna, Vice Chairman – EPCH addressing the august gathering along with Shri Raj Kumar Malhotra, Former Chairman – EPCH; Shri Ravi K Passi, Former Chairman-EPCH; Shri Arshad Mir, Member COA-EPCH and Ms. Amla Shrivastava, Assistant Director Design-EPCH, leading exporters from Kashmir region during an Interactive Session on “Design, Trends, Forecast and Export Compliances” at Srinagar, Jammu & Kashmir



Photo 2: Shri Arshad Mir, Member COA-EPCH addressing the august gathering along with Shri Neeraj Khanna, Vice Chairman – EPCH; Shri Raj Kumar Malhotra, Former Chairman – EPCH; Shri Ravi K Passi, Former Chairman-EPCH and Ms. Amla Shrivastava, Assistant Director Design-EPCH, leading exporters from Kashmir region during an Interactive Session on “Design, Trends, Forecast and Export Compliances” at Srinagar, Jammu & Kashmir



Photo 3: An overview of august gathering during an Interactive Session on “Design, Trends, Forecast and Export Compliances” at Srinagar, Jammu & Kashmir